No. of Printed Pages : 4

BLP-001

CERTIFICATE IN SERICULTURE (CIS)

Term-End Examination

00694

December, 2019

BLP-001 : INTRODUCTION TO SERICULTURE

Time : 2 hours *Maximum Marks : 50*

Note : *Attempt any **five** questions. All questions carry equal marks.*

1. Define any ***ten*** of the following : *10×1=10*

(a) Bivoltine

(b) Degumming

(c) Renditta

(d) Silk

(e) Graineurs

(f) DFLs

(g) Man-day

(h) Synchronization

(i) Chawki rearing centre

(j) Spinning

(k) Indigenous

(l) Pathogens

2. (a) Classify the training needs in different aspects of sericulture and explain each one of them briefly. *5*

(b) Explain the role of Central Silk Board in the development of sericulture in India. *5*

3. Enlist the importance of sericulture industry to the rural population. Explain each one of them briefly. *10*

4. Briefly explain the by-products of grainage operations. *10*

5. Describe various steps involved in loose egg production. *10*

6. Define sericulture. Explain different types of silks commercially produced in India. *2+8*

7. (a) Draw a flowchart of reeling process. *5*

(b) Explain briefly the steps involved in cooking of cocoon. *5*

8. (a) "Silkworm can be used as a potential source of medicine." Explain. *5*

(b) Describe the process of conversion of silk fibres into fabric. *5*

बी.एल.पी.-001

रेशमकीट पालन में प्रमाण-पत्र (सी.आई.एस.)
सत्रांत परीक्षा
दिसम्बर, 2019

बी.एल.पी.-001 : रेशम-उत्पादन का परिचय

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : *किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दस*** को परिभाषित कीजिए : *10×1=10*

(क) द्विप्रज

(ख) विगोंदन

(ग) रेंडिटा

(घ) रेशम

(ङ) बीजकारक

(च) डी.एफ.एल.

(छ) श्रम दिवस

(ज) समकालिक

(झ) चॉकी कीटपालन केंद्र

(ञ) कोसा स्रावण (कोसा निर्माण)

(ट) स्वदेशी

(ठ) रोगजनक

2. (क) रेशम-उत्पादन के विभिन्न पक्षों में प्रशिक्षण आवश्यकताओं को वर्गीकृत कीजिए और उनमें से प्रत्येक की संक्षेप में व्याख्या कीजिए । 5

(ख) भारत में रेशम-उत्पादन के विकास में केंद्रीय रेशम बोर्ड की भूमिका की व्याख्या कीजिए । 5

3. ग्रामीण जनसंख्या के लिए रेशम-उत्पादन उद्योग के महत्त्व की सूची तैयार कीजिए । उनमें से प्रत्येक की संक्षेप में व्याख्या कीजिए । 10

4. बीजागार क्रियाओं के उपोत्पादों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए । 10

5. अबद्ध अंडों के उत्पादन से संबंधित विभिन्न चरणों का वर्णन कीजिए । 10

6. रेशम-उत्पादन को परिभाषित कीजिए । भारत में व्यापारिक दृष्टि से उत्पादित किए जाने वाले रेशम के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिए । 2+8

7. (क) धागाकरण प्रक्रिया का फ्लोचार्ट बनाइए । 5

(ख) कोशाओं को पकाने से संबंधित चरणों की संक्षेप में व्याख्या कीजिए । 5

8. (क) "रेशमकीट का औषधि के संभावित स्रोत की तरह उपयोग किया जा सकता है ।" व्याख्या कीजिए । 5

(ख) रेशम के रेशों/धागों को कपड़े में परिवर्तित करने की प्रक्रिया का वर्णन कीजिए । 5